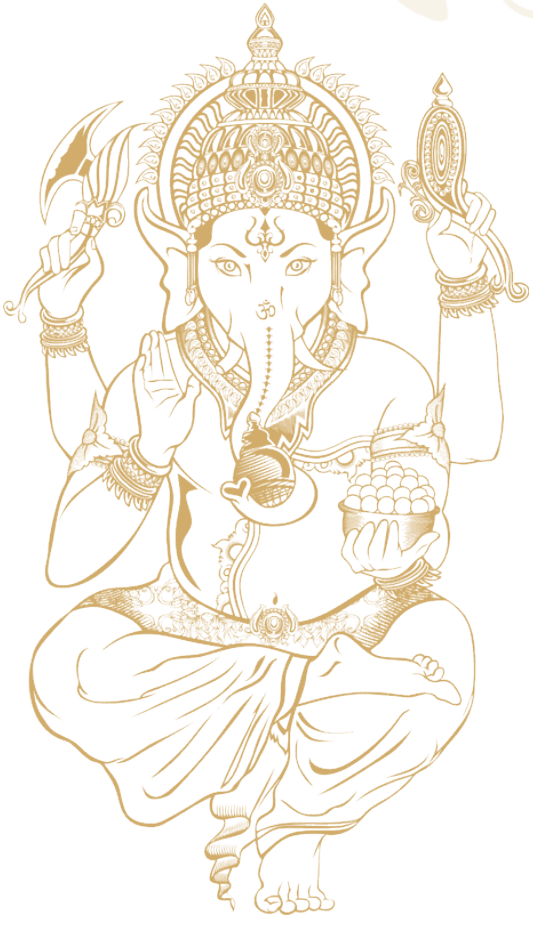

Sh Devesh Vyas

12 Mar 1986

06:30 PM

Kota

Model: web-freekundliweb

Order No: 121575002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/03/1986**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**18:30:00 घंटे**
इष्ट	29:37:05 घटी
स्थान	**Kota**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:11:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:03:52 घंटे
वेलान्तर	-00:09:53 घंटे
साम्पातिक काल	05:23:24 घंटे
सूर्योदय	06:39:09 घंटे
सूर्यास्त	18:33:13 घंटे
दिनमान	11:54:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	27:59:48 कुम्भ
लग्न के अंश	28:03:22 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुक्ल
करण	कौलव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दो-दौलत
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	28:03:22	326:14:28	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			कुंभ	27:59:48	00:59:54	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	20:27:19	12:25:34	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृश्चि	28:08:30	00:32:30	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध	व	अ	मीन	05:49:39	00:40:29	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	नीच राशि
गुरु			कुंभ	11:04:35	00:14:07	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
शुक्र			मीन	10:33:48	01:14:38	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	उच्च राशि
शनि			वृश्चि	16:00:09	00:00:42	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	06:42:47	00:02:20	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	06:42:47	00:02:20	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष			वृश्चि	28:36:45	00:00:48	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप			धनु	11:57:38	00:00:52	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	13:24:51	00:01:02	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			वृष	27:55:45	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:43

लग्न-चलित

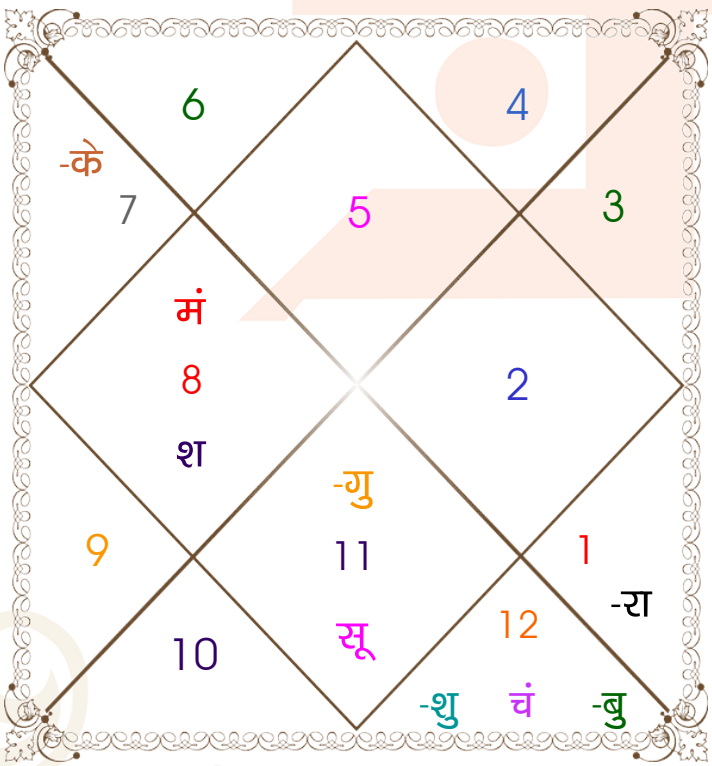

चन्द्र कुंडली

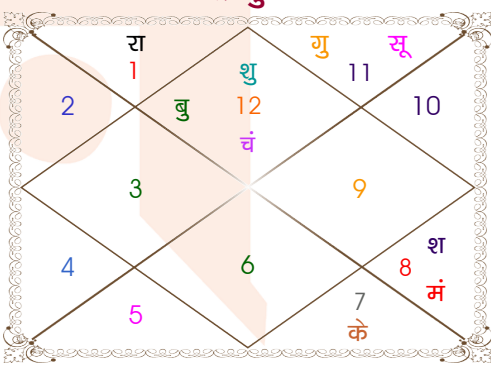

नवमांश कुंडली

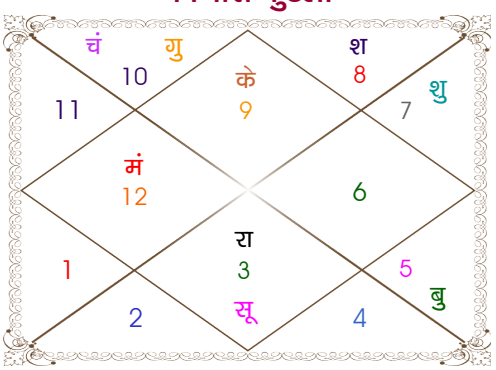

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 12 वर्ष 2 मास 1 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
12/03/1986		13/05/1998		13/05/2005		13/05/2025		13/05/2031	
13/05/1998		13/05/2005		13/05/2025		13/05/2031		13/05/2041	
	00/00/0000	केतु	09/10/1998	शुक्र	11/09/2008	सूर्य	31/08/2025	चंद्र	13/03/2032
	12/03/1986	शुक्र	09/12/1999	सूर्य	12/09/2009	चंद्र	01/03/2026	मंगल	12/10/2032
शुक्र	07/08/1987	सूर्य	15/04/2000	चंद्र	13/05/2011	मंगल	07/07/2026	राहु	13/04/2034
सूर्य	12/06/1988	चंद्र	14/11/2000	मंगल	13/07/2012	राहु	01/06/2027	गुरु	13/08/2035
चंद्र	12/11/1989	मंगल	13/04/2001	राहु	13/07/2015	गुरु	19/03/2028	शनि	13/03/2037
मंगल	09/11/1990	राहु	01/05/2002	गुरु	13/03/2018	शनि	01/03/2029	बुध	13/08/2038
राहु	28/05/1993	गुरु	07/04/2003	शनि	13/05/2021	बुध	05/01/2030	केतु	14/03/2039
गुरु	03/09/1995	शनि	16/05/2004	बुध	13/03/2024	केतु	13/05/2030	शुक्र	11/11/2040
शनि	13/05/1998	बुध	13/05/2005	केतु	13/05/2025	शुक्र	13/05/2031	सूर्य	13/05/2041

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
13/05/2041		13/05/2048		13/05/2066		13/05/2082		14/05/2101	
13/05/2048		13/05/2066		13/05/2082		14/05/2101		00/00/0000	
मंगल	09/10/2041	राहु	24/01/2051	गुरु	30/06/2068	शनि	16/05/2085	बुध	11/10/2103
राहु	28/10/2042	गुरु	18/06/2053	शनि	12/01/2071	बुध	24/01/2088	केतु	07/10/2104
गुरु	03/10/2043	शनि	24/04/2056	बुध	19/04/2073	केतु	04/03/2089	शुक्र	13/03/2106
शनि	11/11/2044	बुध	12/11/2058	केतु	25/03/2074	शुक्र	04/05/2092		00/00/0000
बुध	09/11/2045	केतु	30/11/2059	शुक्र	23/11/2076	सूर्य	16/04/2093		00/00/0000
केतु	07/04/2046	शुक्र	30/11/2062	सूर्य	12/09/2077	चंद्र	15/11/2094		00/00/0000
शुक्र	07/06/2047	सूर्य	25/10/2063	चंद्र	12/01/2079	मंगल	25/12/2095		00/00/0000
सूर्य	13/10/2047	चंद्र	25/04/2065	मंगल	19/12/2079	राहु	31/10/2098		00/00/0000
चंद्र	13/05/2048	मंगल	13/05/2066	राहु	13/05/2082	गुरु	14/05/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 12 वर्ष 2 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।